

Rapid Fire करंट अफेयर्स (23 May)

- 21 और 22 मई को करिगस्तान की राजधानी बश्किकेक में **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** के सदस्य देशों के वदिश मंत्रियों की परषिद की बैठक हुई। इस बैठक में आतंकवाद सहति वभिन्नि सामयकि मुद्दों पर चर्चा करने के अलावा वदिश मंत्रियों की परषिद ने अंतरराष्ट्रीय और कषेत्रीय महत्त्व के शीर्ष मुद्दों पर भी वचिार कयिा। इसके अलावा बश्किकेक में 13-14 जून को होने जा रहे SCO शखिर सम्मेलन की तैयारियों की समीकषा भी की गई। जज्ञातव्य है कि भारत 2017 में इस समूह का पूरणकालकि सदस्य बना था और उसके साथ पाकस्तान को भी SCO की सदस्यता प्रदान की गई थी। भारत SCO तथा इसके **कषेत्रीय आतंकवाद रोधी ढाँचे (RATS)** के साथ सुरकषा संबन्धी सहयोग को और मजबूत करना चाहता है, क्योंकि इसके दायित्वों में सुरकषा एवं रकषा संबन्धी मुद्दों का समाधान करना शामिल है। गौरतलब है कि पिछले महीने रकषा मंत्री नरिमला सीतारमण ने बश्किकेक में SCO के रकषा मंत्रियों की बैठक में हसिसा लयिा था। SCO की स्थापना वर्ष 2001 में शंघाई में संपन्न एक शखिर सम्मेलन में रूस, चीन, करिगस्तान, कजाखस्तान, ताजकिस्तान और उज्बेकस्तान के राष्ट्रपतियों ने की थी।
- रजिर्व बैंक** के गवरनर शकृत्किांत दास की अध्यक्षता में बैंक के केंद्रीय नदिशक मंडल ने **वशिषीकृत पर्यवेकषी और नयिामकीय कैंडर (Specialised Supervisory & Regulatory Cadre)** सृजति करने का फैसला कयिा है। इसका उद्देश्य वाणज्यिक बैंकों, शहरी सहकारी बैंकों तथा गैर-बैंकिग वित्तीय कंपनियों की नगिरानी तथा नयिमन व्यवस्था को मजबूत करना है। RBI गवरनर शकृत्किांत दास की अध्यक्षता में केंद्रीय नदिशक मंडल की बैठक में इस आशय का नरिणय कयिा गया। रजिर्व बैंक के नदिशक मंडल ने मौजूदा आर्थिक स्थिति, वैश्विक तथा घरेलू चुनौतियों तथा वभिन्नि कषेत्रों में केंद्रीय बैंक के कामकाज की समीकषा करने के दौरान यह नरिणय लयिा।
- केंद्र सरकार ने नए **मत्स्य मंत्रालय** का गठन कर दयिा गया है। वर्तमान वर्ष के आम बजट में इसके गठन का ऐलान कयिा गया था। हरयिाणा कैंडर की IAS अधिकारी **रजनी सेखरी सविबल** को इसका सचवि नयुक्ति कयिा गया है। जज्ञातव्य है कि अब तक मत्स्य पालन वभिाग कृषि व कसिान कल्याण मंत्रालय के तहत आता था। इस मंत्रालय के पशुपालन और डेयरी वभिाग के सचवि के तहत मत्स्य वभिाग काम करता था। केंद्र सरकार ने मत्स्य पालन में अपार संभावनाओं के मद्देनजर इसके लयिा एक अलग मंत्रालय गठति करने का फैसला कयिा था। वैसे भी भारत वैश्विक स्तर पर समुद्री उत्पादों के नरियात में अग्रणी देशों में शामिल है। भारत की लगभग 7500 कर्मी लंबी समुद्री सीमा है, जसिमें मत्स्य पालन की वृहद् संभावनाएँ हैं।
- इंडोनेशयिा के राष्ट्रपति **जोको वडिडो** को वशि्व के इस तीसरे बड़े लोकतंत्र का फरि से राष्ट्रपति चुना गया है। इंडोनेशयिा के नरिवाचन आयोग के अनुसार **इंडोनेशयिन डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल** के सदस्य जोको वडिडो ने अपने प्रतदिवंद्वी एवं सेवानवित्त जनरल प्राबोवो सुबयिांतो को हराया। गौरतलब है कि इंडोनेशयिा में 17 अप्रैल को राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव एक साथ कराए गए थे। एक दिन में 19.2 करोड़ से भी अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कयिा। इसे एक दिन में संपन्न होने वाला दुनयिा का सबसे बड़ा चुनाव माना गया था। इससे पहले जोको वडिडो जुलाई 2014 में हुए चुनाव में राष्ट्रपति चुने गए थे। वह जकारता के गवरनर रह चुके हैं और इंडोनेशयिा के ऐसे पहले राष्ट्रपति हैं जनिकी पृष्ठभूमि राजनीति और सेना से नहीं है।
- 22 मई** को दुनयिाभर में अंतरराष्ट्रीय **जैव वविधिता दविस** मनाया गया। सभी जीवों एवं पारस्थितिकी तंत्रों की वभिन्नता एवं असमानता को जैव वविधिता कहा जाता है। 1992 में ब्राज़ील के रयिो डिजेनेरयिो में हुए जैव वविधिता सम्मेलन के अनुसार जैव वविधिता की परभिाषा इस प्रकार है: "धरातलीय, महासागरीय एवं अन्य जलीय पारस्थितिकीय तंत्रों में मौजूद अथवा उससे संबंधति तंत्रों में पाए जाने वाले जीवों के बीच वभिन्नता ही जैव वविधिता है।" वशि्व के समृद्धतम जैव वविधिता वाले 17 देशों में भारत भी शामिल है, जनिमें वशि्व की लगभग 70 प्रतशित जैव वविधिता पाई जाती है। आपको बता दें कि वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव-वविधिता दविस के रूप में घोषति कयिा था। वर्ष 2019 के लयिा इस दविस की थीम **Our Biodiversity, Our Food, Our Health** रखी गई है।
- बर्टिन के **सैंटर फॉर पोलर ऑब्जर्वेशन एंड मॉडलिंग** ने **यूरोपीय स्पेस एजेंसी** के सैंटेलाइट आकलनों और कषेत्रीय जलवायु के एक मॉडल के ज़रयिा पूरे बर्फ आच्छादति कषेत्र में हुए बदलावों पर अध्ययन करने से पता चला है कि **जलवायु परविरतन** की वज़ह से **अंटार्कटिक कषेत्र** बर्फ तेज़ी से पघिल रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार, कई स्थानों पर बर्फ की परत 122 मीटर तक पतली हो गई है, जबकि पश्चिमी अंटार्कटिक में तेज़ी से बदलाव हो रहा है। इस बदलाव के कारण बर्फ पघिलने से अधकिांश ग्लेशियरों का संतुलन बगिड़ रहा है और वे अस्थिर हो गए हैं। गौरतलब है कि 1992 के बाद से पश्चिमी अंटार्कटिक में बर्फ पघिलने वाले कषेत्र का दायरा बढ़कर 24 प्रतशित हो गया।